बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा, दिल्ली - ११००३४

कक्षा- पाँचवीं (२०२०-२०२१)

अधिन्यास पत्र विषय - हिंदी उपविषय – कबीर की वाणी

(१७.११.२०२० -१९.११.२०२०)

शिक्षण परिणाम

प्रत्येक छात्र कम से कम दो दोहों का आदर्श वाचन कर सकेगा।

प्रत्येक छात्र कम से कम दो दोहों का भाव जान सकेगा।

प्रत्येक छात्र दोहों के द्वारा नैतिक मूल्यों के बारे में जान सकेगा।

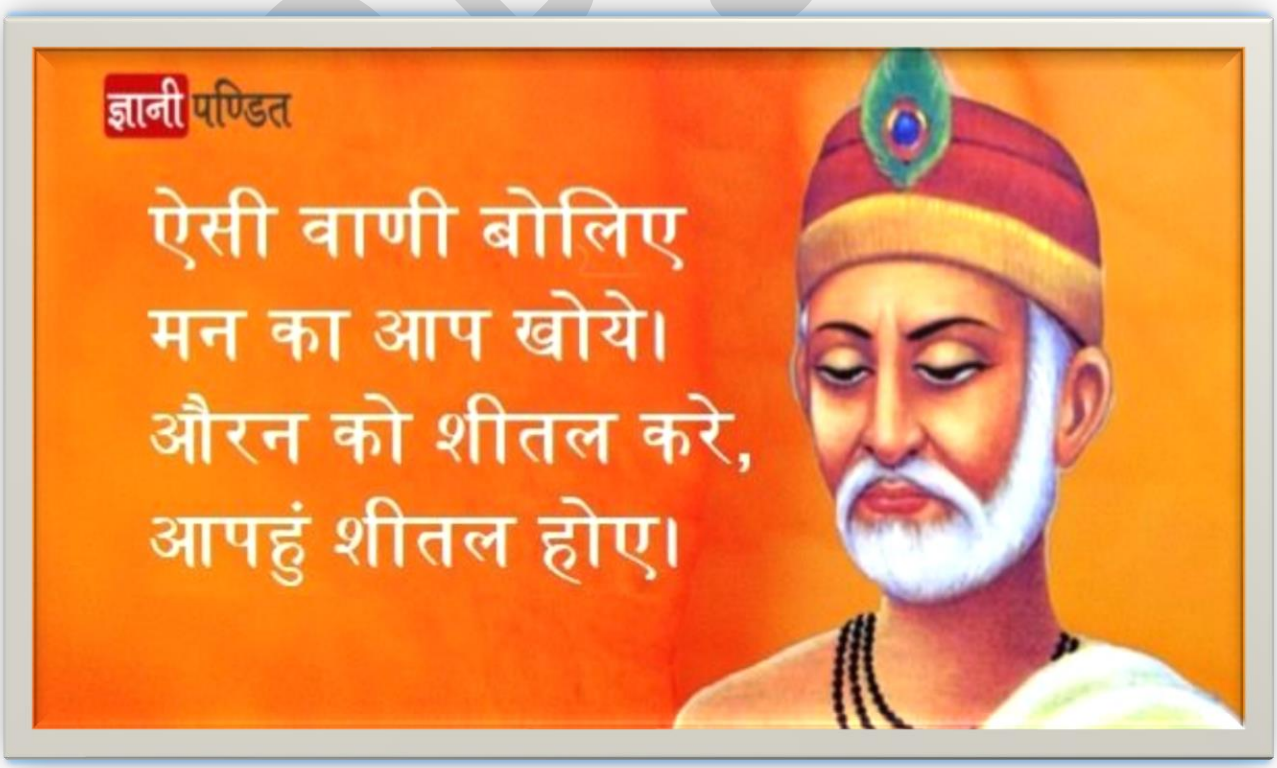

दोहों का मूलभाव

इस पाठ में लिए गए दोहे न केवल प्रसिद्ध और लोकप्रिय हैं ,वरन ज्ञान भी प्रदान करते हैं। हर दोहे में एक सीख दी गई है, जिसे अपनाकर हम जीवन में सफल हो सकते हैं। इन दोहों में सत्य ,गुरु की महिमा ,मधुर वाणी ,समय का महत्त्व ,परोपकार ,समानता आदि गुणों को अपनाने पर बल दिया गया है।

मौखिक चर्चा

यदि हमें अच्छी सीख कोई न देता तो क्या होता ?

दोहों के आधार पर कोई एक सुविचार बताइए।

सुविचार- पुस्तकें वे साधन हैं, जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं।

13 कबीर की वाणी

पाठ-प्रवेश

- बच्चो, आज हम अच्छी-बुरी आदतों पर बात करते हुए पाठ में आए दोहों के द्वारा नैतिक मूल्यों के बारे में जानेंगे।

Scanned with CamScanner

1. साँच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप।
जाके हिरदे साँच है, ताके हिरदे आप॥ — सत्य

2. बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलया कोय।
जो मन खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय॥ — स्वयं की पहचान

3. धीरे-धीरे रे मनां, धीरे सब कुछ होय।
माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय॥ — धैर्य

4. गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागू पाँय।
बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय॥ — गुरु महिमा

5. ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होय॥ — मधुर वाणी

6. काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।
पल में परलय होयगी, बहुरि करेगा कब॥ — समय

7. साईं इतना दीजिए, जामे कुटुंब समाय।
मैं भी भूखा न रहूँ, साधू न भूखा जाय॥ — संतोष एवं परोपकार

8. तिनका कबहुँ ना निंदये, जो पाँव तले होय।
कबहुँ उड़ आँखन पड़े, पीर घनेरी होय॥ — समानता

—*कबीरदास*

माइंड मैप

कबीर की वाणी

1. सत्य सबसे महत्वपूर्ण है।
2. दूसरों के बदले स्वयं का अवलोकन करें।
3. धैर्य सफलता का मूल मंत्र है।
4. गुरु ईश्वर से भी श्रेष्ठ है।
5. हमेशा मधुर वाणी बोलें।
6. किसी भी काम को कल पर न टालें।
7. संतोष से जीवन-यापन करें।
8. समानता का भाव रखें।

CS Scanned with CamScanner